

---

# Shri Kalabhairavashtakam

श्रीकालभैरवाष्टकम्

## Document Information

---

Text title : kAlabhairavAShTakam2

File name : kAlabhairavAShTakam.itx

Category : shiva, sachchidAnanda-shivAbhinava-nRisiMhabhAratI, aShTaka

Location : doc\_shiva

Author : Sachchidananda Shivabhinava Nrisimha Bharati Swamigal

Proofread by : PSA Easwaran psawaswaran at gmail.com

Latest update : November 9, 2018

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 20, 2020

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shri Kalabhairavashtakam

---

### श्रीकालभैरवाष्टकम्

---



अङ्गसुन्दरत्वनिन्दिताङ्गजातवैभवं  
भृङ्गसर्वगर्वडाश्रिदेडकान्तिशोभितम् ।  
मङ्गलौघदानदक्षपादपद्मसंस्मृतिं  
शृङ्गशैलवासिनं नमामि कालभैरवम् ॥ १ ॥

पादनम्रमूकलोकवाक्प्रदानदीक्षितं  
वेदवेद्यमीशमोदवार्धिशुभ्रदीधितिम् ।  
आदरेण देवताभिरर्थिताङ्घ्रिपङ्कजं  
शृङ्गशैलवासिनं नमामि कालभैरवम् ॥ २ ॥

अम्बुजाक्षमिन्दुवक्त्रमिन्दिरेशनायकं  
कम्बुकण्ठमिष्टदानधूतकल्पपादपम् ।  
अम्बरारिभूतरूपमम्बरायिताम्बरं  
शृङ्गशैलवासिनं नमामि कालभैरवम् ॥ ३ ॥

मन्दभाग्यमाथरं सुरेन्द्रतुल्यवैभवं  
सुन्दरं य कामतोऽपि संविधाय सन्ततम् ।  
पालयन्तमात्मजातमादरात्पिता यथा  
शृङ्गशैलवासिनं नमामि कालभैरवम् ॥ ४ ॥

नम्रकष्टनाशदक्षमष्टसिद्धिदायकं  
कम्रडासशोभितुण्डमख्णगण्डर्पणाम् ।  
कुन्दपुष्पमानयोरदन्तकान्तिभासुरं  
शृङ्गशैलवासिनं नमामि कालभैरवम् ॥ ५ ॥

काशिकादिदिव्यदेशवासलोलमानसं  
पाशिवायुकिन्नरेशमुष्यद्विग्धवार्धितम् ।  
नाशिताघवृन्दमङ्घ्रिनम्रलोकयोगदं  
शृङ्गशैलवासिनं नमामि कालभैरवम् ॥ ६ ॥

सारभागमस्य तुङ्गसारमेयवाङ्मनं  
दारितान्तरान्ध्रमाशु नैजमन्त्रजापिनाम् ।  
पूरिताभिलेष्टमष्टमूर्तिदृढसम्भवं  
शृङ्गशैलवासिनं नमामि कालभैरवम् ॥ ७ ॥

कालभीतिवारणं कपालपाणिशोभितं  
अष्टितामरारिमिन्दुबालशोभिमस्तकम् ।  
यष्टुबुद्धिदानदक्षमक्षतात्मशासनं  
शृङ्गशैलवासिनं नमामि कालभैरवम् ॥ ८ ॥

एति शृङ्गेरि श्रीजगद्गुरु श्रीसख्यिदानन्दशिवाभिनवनृसिंह-  
भारतीस्वामिभिः विरचितं श्रीकालभैरवाष्टकं सम्पूर्णम् ।

Proofread by PSA Easwaran psaeaswaran at gmail.com

---

—  
*Shri Kalabhairavashtakam*

pdf was typeset on June 20, 2020

—

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

